अतारांकित प्रश्न संख्या–366, प्रश्नकर्ता – श्री सोमनाथ भारती।

	प्रश्न		उत्तर
(क)	दिल्ली सरकार द्वारा विगत तीन वर्षों में दिल्ली की जेलों में किए सुधारों का विवरण उपलब्ध कराएं।	(क)	दिल्ली की जेलों मे पिछले तीन वर्षों मे किए सुधरों का विवरण सलग्न (क) है।
(ख)	दिल्ली की जेलों की क्षमता और उनमें मौजूद कैदियों के बारें मे विवरण प्रदान करें, इन दोनों के बीच के अंतर को पाटने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं।	(ख)	दिल्ली में उपस्थित 16 जेलों की कुल क्षमता – 10026 है। दिनांक 20.03.2018 को कुल बन्दीयों की सख्या – 15041 है। इन दोनो के बीच के अन्तर को पाटने के लिए :– 1. दिल्ली कारागार विभाग द्वारा मण्डोली (उत्तर–पूर्व दिल्ली) में छः नई जेलों को आरम्भ किया गया है। 2. वे बन्दी जिनको न्यायालय द्वारा जमानत प्रदान कर दी गई है परन्तु किसी कारणवश वे अपनी जमानत की शर्त्तों को पूरा करने में असमर्थ होते है उसके समाधन के लिए लगातार न्यायालय को सूचित किया जाता है। 3. लोक अदालत लगाई जाती है जिसमें जो बन्दी छोटे अपराध में बन्द होते है उन्हें कम से कम सजा देकर दोबारा अपराध करने की जमानत पर रिहा किया जाता है। 4. 436 सी . आर . पी . सी . के आधर पर उन बंदियों की सूचना अदालत को भेजी जाती है जो अपनी सम्भावित सजा का आधे से ज्यादा समय जेलों में बिता चुके होते हैं। 5. सेमी ओपन जेलो का निर्माण किया गया है। 6. कैदीयों को समय समय पर पैरोल एवम फरलो पर रिहा किया जाता है।
(ग)	जो कैदी वकीलों की फीस नहीं दे सकते उनके लिए कानूनी सहायता सेवाएं प्रदान करने संबंधी विवरण क्या है, और	(ग)	जो कैदी वकीलों की फीस देने में असमर्थ होते है उनको दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, दिल्ली उच्च न्यायालय विधिक सेवा प्राधिकरण तथा सर्वोच्च न्यायालय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा कानूनी सहायता सेवाएं प्रदान करवाई जाती है।
(घ)	विभिन्न जेलों में जो विचाराधीन कैदी सात वर्ष से कम सजा वाले मामलों में बंद हैं, उनका वर्षवार संपूर्ण विवरण क्या है ?	(घ)	दिल्ली कारागार विभाग में सात वर्ष से कम सजा वाले मामलों में बंद विचाराधीन बन्दी का वर्षवार विवरण अनुरक्षित नहीं किया जाता है। दिनांक 20.03.2018 तक सात वर्ष से कम सजा वाले कुल 1165 विचाराधीन बन्दी बंद है।

B.K. Puri
Deputy Secretary
Home General Department,
Govt. of NCT of Delhi,
5th Level, Delhi Secretariat
I.P. Estate, Delhi-110002

दिल्ली कारागार की श्रेष्ठ गतिविधियॉं

दिल्ली कारागार के अंतर्गत 16 केन्द्रीय कारागार हैं जिनमें से 09 कारागार तिहाड़ में हैं, 01 रोहिणी में और 06 मंडोली में हैं जिनकी कुल आवास क्षमता 10026 हैं । आज दिनांक **20.03.2018** को सभी कारागार संचालित हैं जिनमें वर्तमान में कुल **15041** बंदी आवासित हैं । बंदियों के सुधार एवं पुर्नवास के लिए अनेक सुधारात्मक कार्यक्रम किये जा रहे हैं जिनमें से प्रमुख निम्न है:

1. शिक्षा–

   'पढ़ो और पढ़ाओ'

   दिल्ली कारागार में शैक्षणिक गतिविधियॉं दैनिक कार्यक्रमों की अभिन्न भाग हैं । ये विभिन्न स्तरों के विद्यार्थियों जैसे निरक्षर, पूर्णतया निरक्षर, अर्द्ध साक्षर, साक्षर और ऐसे विद्यार्थी जो उच्च शिक्षा के इच्छुक हैं के लिए संचालित किये जाते हैं । राष्ट्रीय साक्षरता अभियान, मानव संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार, के सहयोग से दिल्ली कारागार में विस्तृत शैक्षणिक कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिसके परिणाम स्वरुप साक्षरता दर 40 प्रतिशत से करीब पॉंच प्रतिशत रह गई है । बंदियों को कंप्यूटर संचालन में भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है । **जेल न0 5 में किशोर बंदियों के सर्वांगीण विकास के लिए एयरपोर्ट अथार्टी ऑफ इंडिया व गैर सरकारी संस्थानों जैसे टाईसिया, प्रोत्साहन आदि के सहयोग से एक उच्च स्तरीय स्कूल स्थापित किया जा रहा है ।**

2. आर्थिक निर्वाह योजना

   एक नई योजना शीर्षक 'बंदी अभिभावकों के बच्चों के कल्याण, शिक्षा और आर्थिक निर्वाह के लिए योजना 2014' कियान्वित हो रही है । इस योजना का प्रारुप दिल्ली सरकार के द्वारा किया गया है बंदी अभिभावकों के बच्चों के कल्याण और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए ।

3. व्यावसायिक प्रशिक्षण

   दिल्ली कारागार में बंदियों के सुधार व पुर्नवास के उद्देश्य से, उनमें सकारात्मक सोच उत्पन्न करने व उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न हस्त कौशल में व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाता है जैसे कारपेंटरी, कागज निर्माण, बुनाई, साबुन निर्माण, बेकरी उत्पाद, कृत्रिम पुष्प निर्माण, बैग निर्माण आदि । इसके अतिरिक्त रेडियो जॉकी की कला में भी प्रशिक्षण दिया जाता है ।

   पेंटिग/चित्रकला को बंदियों के लिए व्यवसाय के रुप में विकसित करने के लिए आर्ट गैलरी स्थापित की गई ।

4. बंदियों के मनोरंजन व अच्छे स्वास्थ्य के लिए उन्हें विभिन्न खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाता है । तिहाड़ ओलंपिक शीर्षक से दिल्ली कारागार में अंतर जेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है । **दिल्ली कारागार में किकेट अकादमी स्थापित की गई है जिससे नामी प्रशिक्षक के दिशानिर्देशन में प्रतिभाशाली खिलाड़ी बंदियों के कौशल को और अधिक निखारा जाता है ।**

5. बंदियों की आवास सुविधा में वृद्धि करते हुए मंडोली में 06 कारागार आरंभ की गई जिससे बंदियों के जीवन के रहन सहन के स्तर में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई ।

6. सेमी ओपन जेल योजना को विस्तार देते हुए ओपन जेल की व्यवस्था स्थापित की गई है । सेमी ओपन जेल का विस्तार करते हुए **तिहाड़ जेल के अतिरिक्त मंडोली जेल में सेमी ओपन जेल** स्थापित की गई ताकि अधिक से अधिक बंदियों को वहॉं आवासित किया जा सके । **ओपन जेल के बंदियों को कारागार से बाहर रोजगार की सुविधाएं प्रदान करने के निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं ।**

7. बंदियों को फरलो सुविधा के विषय में जागरुक करते हुए उन्हें अधिक से अधिक फरलो व पैरोल सुविधा का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया ।